

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड अ-जप-खण्ड (li) PART II--Section 3--Sub-section (li)

प्रतिथकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 507] नई दिल्ली, बृधवार, अस्तूबर 16, 1985/आस्विन 24, 1907 No. 507] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 16, 1985/ASVINA 24, 1997

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह असग संकलन को कव के रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(भायाध व्यापार नियंक्रण)

भावेश सं० 28/85-88

नई दिल्ली, 16 घन्तूबर, 1985

का चा 773(घ) ----भायान एवं नियंति (नियंत्रण) श्रीविनियम, 1947 (1947का 18) को धारा 3 के द्वारा प्रवस्त पश्चिकारों का प्रयोग करने हुए, केस्ट्रीय प्ररकार एसवृद्धारा वाजिल्य मंत्रालय के भाषेम मं० 8/85-88, दिनांक 12 भन्नेल, 1985 के श्रष्टीन प्रकाशित खुला सामान्य लाइमेंम मं० 8/85, दिनांक 12 ग्रंपैल, 1985 में निम्नलिखित संगोधन करती है, धर्यात् ----

- गर्न म० (1) के जिये निम्नलिखित की प्रतिस्थापित किया जायेगा, प्रथित् ---
- "(1)(i) तेल एवं प्राक्रतिक गैस थाणीग (भ्रा एन जी सी) भ्रायल इक्षिया लि०, भ्रीर भारतीय गैस प्राधिकरण ति, द्वारा भ्रायात के लिथे भ्रतुनित सर्वे वे होगी किनकी देशी दृष्टिकीण से पैट्रोलियम एव प्राक्तिक गैस मंद्रालय के भ्रश्नीत तेल उद्योग मे देशी दृष्टिकीण पर पठित प्राधिकत समिति द्वारा पास किया जायेगा। इससे संबधित साध्य पत्तन प्राधिकारियों को प्रस्तुत किये जायेंगे। पैरा (3) भ्रीर (4) के भ्रधीन देशीय दृष्टिकोण से निकासी भ्रषेक्षित नहीं होगी।
 - (ii) मैसमें भारत गोल्ड माइन्स लि० हारा आयान के लिये अनुमित सर्थे वे होगी जिनको देणीय दृष्टिकोण से दीजीटीडी, नई दिल्ली हारा स्वीकृत किया आयेगा। जहां पर किसी भी प्रकार के इनैक्ट्रोनिक गर्डे जिससे 5 लाख रुपये अथवा भिक्त की लागत-धीमा-भाडा मूल्य के लिये प्रतिष्ठति उपकरण भीर समुद्री इनैन्ट्रोनिक उपकरण भीर उनके पुर्जे, चाहे किसी भी मूल्य के हो, शामिल हैं अथवा एक लाख के प्रधिक मूल्य के सदार उपकरण शामिल हैं, तो ऐसे मामनों से इनैक्ट्रोनिक विभाग द्वारा निकासी दिये जाने पर ही आयान अनुमेय होया। इससे सर्वित साक्ष्य पत्तन प्राधिकारियों की प्रस्तुत विश्वे जायेगे। पैरा (3) और (4) वे अधीन देणी निकासी अपेकित नहीं होगी।"

[फा सं० हाई पी सी/3/7/85] धार, एल, मिश्र, मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्मात

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

ORDER NO. 28[85-88

New Delhi, the 16th October, 1985

S.O. 773 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendment in the Open General Licence No. 8|85, dated the 12th April.

1985, published under the Ministry of Commerce, Order No. 8|85-88, dated the 12th April, 1985, namely:—

For condition No. (1), the following shall be substituted, namely:—

- "(1)(i) The items permited for import by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Ltd., and Gas Authority of India Ltd., shall be those cleared by the Empowered Committee of Indigenisation in the Oil Industry under the Ministry of Petroleum and Natural Gas, from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the Customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under paras (3) and (4) below.
- (ii) The items permitted for import by M|s. Bharat Gold Mines Ltd. shall be those cleared by the DGTD, New Delhi from indigenous angle. Where import of any electronics items including facsimile equipment for a cif value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronics equipment and parts irrespective of value is involved, or communication equipments for a value more than Rs. One Lakh is involved, the import shall be allowed only after clearance is given by the Department of Electronics. Evidence to this effect shall be produced to the Customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under paras (3) and (4) below."

[File No. IPC|3|7|85]

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports and Exports